

## [-SagarBhai.com](http://SagarBhai.com)

**Maa Annapurna Chalisa :** भगवान शिव की अर्धांगनी इस कलियुग में काशी में निवास करने वाली माता अन्नपूर्णा देवी। जिनके आशीर्वाद और कृपा सभी प्राणी मात्र को फल - शाक (सब्जी), भोजन अन्न पानी की प्राप्ति होती है और हो रही है। इसीलिए माता को शाकुम्भरी भी कहा जाता है। यह शाकुम्भरी देवी का स्थान सहारनपुर उत्तरप्रदेश के निकट ही [शक्तिपीठ](#) के रूप में स्थित है। ऐसी माँ भगवती Maa Annapurna चालीसा हमें भक्ति माध्यम से करने का सौभाग्य मिला है -

## माँ श्री अन्नपूर्णा चालीसा -Maa Annapurna Chalisa

॥ दोहा ॥

विश्वेश्वर पदपदम की रज निज शीश लगाय ।  
अन्नपूर्णे, तव सुयश बरनों कवि मतिलाय ।

॥ चौपाई ॥

नित्य आनंद करिणी माता, वर अरु अभय भाव प्रख्याता ।  
जय ! सौंदर्य सिंधु जग जननी, अखिल पाप हर भव-भय-हरनी ।

श्वेत बदन पर श्वेत बसन पुनि, संतन तुव पद सेवत ऋषिमुनि ।  
काशी पुराधीश्वरी माता, माहेश्वरी सकल जग त्राता ।

वृषभारुढ नाम रुद्राणी, विश्व विहारिणि जय ! कल्याणी ।  
पतिदेवता सुतीत शिरोमणि, पदवी प्राप्त कीन्ह गिरी नंदिनि ।

पति विछोह दुःख सहि नहिं पावा, योग अग्नि तब बदन जरावा ।  
देह तजत शिव चरण सनेहू, राखेहु जात हिमगिरि गेहू ।

प्रकटी गिरिजा नाम धरायो, अति आनंद भवन मँह छायो ।  
नारद ने तब तोहिं भरमायहु, ब्याह करन हित पाठ पढायहु ।

ब्रह्मा वरुण कुबेर गनाये, देवराज आदिक कहि गाये ।  
सब देवन को सुजस बखानी, मति पलटन की मन मँह ठानी ।

अचल रहीं तुम प्रण पर धन्या, कीहनी सिद्ध हिमाचल कन्या ।  
निज को तब नारद घबराये, तब प्रण पूरण मंत्र पढाये ।

करन हेतु तप तोहिं उपदेशेउ, संत बचन तुम सत्य परेखेहु ।  
गगनगिरा सुनि टरी न टारे, ब्रह्मं तब तुव पास पधारे ।

कहेउ पुत्रि वर माँगु अनूपा, देहुँ आज तुव मति अनुरुपा ।  
तुम तप कीन्ह अलौकिक भारी, कष्ट उठायहु अति सुकुमारी ।

अब संदेह छाँड़ि कछु मोसों, है सौगंध नहीं छल तोसों ।  
करत वेद विद ब्रहमा जानहु, वचन मोर यह सांचा मानहु ।

तजि संकोच कहहु निज इच्छा, देहों में मनमानी भिक्षा ।  
सुनि ब्रहमा की मधुरी बानी, मुख सों कछु मुसुकाय भवानी ।

बोली तुम का कहहु विधाता, तुम तो जगके स्रष्टाधाता ।  
मम कामना गुप्त नहिं तोंसों, कहवावा चाहहु का मोंसों ।

दक्ष यज्ञ मँहँ मरती बारा, शंभुनाथ पुनि होहिं हमारा ।  
सो अब मिलहिं मोहिं मनभाये, कहि तथास्तु विधि धाम सिधाये ।

तब गिरिजा शंकर तव भयऊ, फल कामना संशयो गयऊ ।  
चन्द्रकोटि रवि कोटि प्रकाशा, तब आनन मँहँ करत निवासा ।

माला पुस्तक अंकुश सोहै, कर मँहँ अपर पाश मन मोहै ।  
अन्नपूर्ण ! सदापूर्ण, अज अनवघ अनंत पूर्ण ।

कृपा सागरी क्षेमंकरि माँ, भव विभूति आनंद भरी माँ ।  
कमल विलोचन विलसित भाले, देवि कालिके चण्डि कराले ।

तुम कैलास मांहि है गिरिजा, विलसी आनंद साथ सिंधुजा ।  
स्वर्ग महालक्ष्मी कहलायी, मर्त्य लोक लक्ष्मी पदपायी ।

विलसी सब मँहँ सर्व सरुपा, सेवत तोहिं अमर पुर भूपा ।  
जो पढ़िहहिं यह तव चालीसा फल पाइंहहिं शुभ साखी ईसा ।

प्रात समय जो जन मन लायो, पढ़िहहिं भक्ति सुरुचि अधिकायो ।  
स्त्री कलत्र पति मित्र पुत्र युत, परमैश्वर्य लाभ लहि अद्भुत ।

राज विमुख को राज दिवावै, जस तेरो जन सुजस बढ़ावै ।  
पाठ महा मुद मंगल दाता, भक्त मनोवांछित निधि पाता ।

॥ दोहा ॥

जो यह चालीसा सुभग, पढ़ि नावेंगे माथ ।  
तिनके कारज सिद्ध सब साखी काशी नाथ ॥

॥ इति माँ अन्नपूर्णा चालीसा सम्पूर्णम् ॥

---

## जगत कल्याणी Maa Annapurna Chalisa English

### ॥ Doha ॥

Vishveshvar Padpadam Ki Raj Nij Shish Lagay.  
Annapurne Tav Suyash Baranau Kavi Matilay.

### ॥ Chaupai ॥

Nitya Anand Karini Mata, Var Aru Abhay Bhav Prakhyata.  
Jay! Soundary Sindhu Jag Janani, Akhil Pap Har Bhav-Bhay Harani.

Shvet Badan Par Shvet Basan Puni, Santan Tuv Pad Sevat Rishimuni.  
Kashi Puradhishvari Mata, Maheshvari Sakal Jag Trata.

Vrishbharudh Nam Rudrani, Vishva Viharini Jay! Kalyani.  
Patidevata Sutit Shiromani, Padavi Prapt Kinh Giri Nandini.

Pati Vichhoh Dukh Sahi Nahi Pava, Yog Agni Tab Badan Jarava.  
Deh Tajat Shiv Charan Sanehu, Rakhehu Jat Himgiri Gehu.

Prakati Girija Nam Dharayo, Ati Anand Bhavan Manh Chhayo.  
Narad Ne Tab Tohin Bharamayahu, Byah Karan Hit Path Padhayahu.

Brahma Varun Kuber Ganaye, Devaraj Adik Kahi Gaye.  
Sab Devan Ko Sujas Bakhani, Mati Palatan Ki Man Manh Thani.

Achal Rahi Tum Pran Par Dhanya, Kihani Siddh Hlmachal Kanya.  
Nij Kau Tab Narad Ghabaraye, Tab Pran Puran Mantra Padhaye.

Karan Hetu Tap Tohi Upadesheu, Sant Bachan Tum Satya Parekhehu.  
Gangangira Suni Tari Na Tare, Brahma Tav Tuv Pas Padhare.

Kaheu Putri Var Mangu Anupa, Dehun Aj Tuv Mati Anurupa.  
Tum Tap Kinh Alaukik Bhari, Kasht Uthayahu Ati Sukumari.

Ab Sandeh Chhadi Kacchu Moson, Hai Saugandh Nahi Chhal Toson.  
Karat Ved Vid Brahma Janahu, Vachan Mor Yah Sancha Manahu.

Taji Sankoch Kahahu Nij Ichchha, Dehon Mai Manmani Bhiksha.  
Suni Brahma Ki Madhuri Bani, Mukh Son Kachhu Musukaye Bhavani.

Boli Tum Ka Kahahu Vidhata, Tum To Jag Ke Srashtadhata.  
Mam Kamana Gupt Nahin Toson, Kahvava Chahahu Ka Moson.

Daksh Yagya Mahn Marati Bara, Shambunath Puni Hohin Hamara.  
So Ab Milahin Mohin Manbhaye, Kahi Tathastu Vidhi Dham Sidhaye.

Tab Girija Shanker Tav Bhayau, Phal Kamana Sanshayo Gayau.  
Chanderkoti Ravi Koti Prakasha, Tab Anan Mahn Karat Nivasa.

Mala Pustak Ankush Sohe, Kar Mahn Apar Pash Man Mohen.  
Annapurne! Sadapurne, Aj Anvagh Anant Purne.

Kripa Sagari Kshemkari Man, Bhav Vibhuti Anand Bhari Man.  
Kamal Vilochan Vilasit Bhale, Devi Kalike Chandi Karale.

Tum Kailash Mahin Hai Girija, Vilasi Anand Sath Sindhuja.  
Svarag Mahalakshmi Kahalayi, Martya Lok Lakshmi Padapayi.

Vilasi Sab Mahn Sarv Sarupa, Sevat Tohin Amar Pur Bhupa.  
Jo Padhihi Yah Tav Chalisa, Phal Pahin Shubh Sakhi Eesha.

Prat Samay Jo Jan Man Layo, Padhihahin Bhakti Suruchi Adhikayo.  
Stri Kalatr Pati Mitr Putr Yut, Paramaishravarya Labh Lahi Adhabhut.

Raj Vimukh Ko Raj Divave, Jas Tero Jan Sujas Badhavei.  
Path Maha Mud Mangal Data, Bhakt Manovanchhit Nidhi Pata.

||Doha ||

Jo Yeh Chalisa Subhag, Padhi Naveinge Math.  
Tinake Karaj Siddh Sab, Sakhi Kashinath.

|| इति **Maa Annapurna Chalisa** सम्पूर्णम् ||

— हिन्दू धर्म की भक्ति, चालीसा, भजन आदि प्राप्त करने के लिए हमें फॉलो करना न भूले। धन्यवाद !

हमारे हिन्दूधर्म के महत्वपूर्ण अन्य चालीसा संग्रह :

- [श्री हनुमान चालीसा](#)
- [श्री तुलसी चालीसा](#)
- [श्री दुर्गा चालीसा](#)
- [श्री शिव चालीसा](#)
- [श्री काल भैरव चालीसा](#)
- [श्री वैष्णो देवी चालीसा](#)

- [श्री गणेश चालीसा](#)
- [अयोध्या नरेश श्री राम चालीसा](#)
- [श्री शत्रु नाशक काली चालीसा](#)